रणजीत टाइम्स
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
इंदौर सोमवार 16 फरवरी 2026 Digital Edition प्रधान संपादक : गोपाल बावंडे

प्रधानमंत्री का देश को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई का वैश्विक केंद्र बनाने पर जोर

भारत करेगा तकनीकी क्रांति की अगली लहर का नेतृत्व: मोदी

बुनियादी ढांचे की जरूरत

डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ना होगा

BNP प्रमुख के सलाहकार हुमायूं कबीर ने दिया रिश्तों में सुधार पर जोर

अब भारत के साथ संबंधों में नई शुरुआत चाहता है बांग्लादेश

■ बीएनपी नेता ने हसीना को बताया आतंकवादी

तारिक रहमान

हुमायूं कबीर

बांग्लादेश की संप्रभुता कमजोर न होने दे भारत

भारत, चीन व अमेरिका के साथ रिश्तों में रहेगा संतुलन

हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को लेकर चिंता को खारिज किया

भारत-फ्रांस रक्षा संवाद 17 को

हैमर मिसाइलों के निर्माण पर समझौता संभव

■ रक्षा सहयोग समझौते का दस वर्षों के लिए किया जाएगा नवीनीकरण

मोदी-मैक्रों करेंगे टाटा की हेलीकॉप्टर असेंबली लाइन का उद्घाटन

अमेरिका की हिंद प्रशांत कमान के कमांडर भारत यात्रा पर

अब अमेरिका ने की ऑपरेशन सिंदूर में भारत के संयम की प्रशंसा

J&K: डोडा में हिमस्खलन, कई वाहन फंसे

भद्रवाह-बसौली राष्ट्रीय राजमार्ग फिर से खुला

सहजयोग के माध्यम से जीवन में पूर्णता लाएं

योग हमारे देश में एक प्राचीन जीवन विद्या रही है, लेकिन उसे आधुनिक काल में लोगों ने मात्र एक शारीरिक विधि के रूप में सीमित कर दिया है। वास्तव में योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं है जिससे मनुष्य अच्छे स्वास्थ्य को प्राप्त करे, बल्कि एक ऐसा प्रयास भी है जिससे जीवन में शुभता और दिव्यता की प्राप्ति हो । लोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शान्ति की खोज करते हैं, लेकिन वह खोज भौतिक व्यवस्थाओं से जुड़ी रहती है। अगर भौतिक व्यवस्था ठीक है तो स्वास्थ्य और शान्ति के लिये अनुकूल है, और हम भौतिक स्तर पर ही अपने आप को प्रसन्न रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन प्रसन्नता की प्राप्ति नहीं होती, बल्कि जीवन में संघर्ष ही रहते हैं। हमारे

मनीषियों ने योग का आविष्कार मनुष्य के जीवन को पूर्णरूप से सुधारने के लिये किया था, केवल रोग को दूर करने के लिये नहीं। जीवन को पूर्णरूप से सुधारने का मतलब होता है अपनी शारीरिक ऊर्जाओं को, प्राणों को संतुलित रखना, मन को व्यवस्थित रखना, मन के विकारों को अपने से दूर रखने का प्रयास करना। मानसिक विकार हैं क्या? काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मात्सर्य-ये छः चीजें मानसिक विकार हैं। जब शरीर रोगग्रस्त होता है तो हम चिकित्सक के पास चले जाते हैं और रोग को दूर करने के लिये दवाई मिल जाती है। मानसिक व्यथा होती है तो हम किसी मनोचिकित्सक के पास जाते हैं या फिर किसी साधु-महात्मा के पास जाते हैं इस कामना के साथ कि संभवतः हमें समाधान मिल जायेगा। बहुत स्थानों में समाधान मिलता है, बहुत जगहों में नहीं भी मिलता है, लेकिन जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण केवल शारीरिक और मानसिक सुख से जुड़ा रहता है। कई आत्मसाक्षात्कारी संतों ने बताया है कि मनुष्य का जीवन केवल शरीर और मन के सुख तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य है पूर्णता को प्राप्त करना। ? पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते- हमारे जीवन की यात्रा जो पूर्ण से आरम्भ हुई है उसका अन्त भी पूर्णता में ही होना है। इसी पूर्णता सहजयोग के माध्यम से होती है, सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी साधको को अपनी अमृतवाणी में बताती है कि, मानव अपनी क्रमागत उन्नति के साथ आगे तो बढ़ रहा है, पर उसका सरोकार उसके जीवन देने वाले उस परमात्मा से दूर गया। उसकी पूरी प्राथमिकता अपने खाना, परिवार प्रयोजन और उसकी आवश्यकता तक रह गयी है। परंतु अब वक्त बदल गया है। अब सभी को अपनी आत्मा की ओर देखना चाहिए जो पूर्ण रूप से सत्य है। इस सत्य के लिए, हमें अपना आत्मसाक्षात्कार लेना होगा, जो एक गुरु की उपस्थिति में ही पूर्ण होता है। इसलिए इस आत्मसाक्षात्कार को जानना भी मनुष्य की प्रवृत्ति में आना चाहिए । जो जीवन की समस्याओं का पूर्ण समाधान करता है। सहजयोग ध्यान द्वारा आत्मा को पाने की ऐसी पद्धति है जिसमें सहजता से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है। अधिक जानकारी हेतु हमारे हेल्पलाइन नंबर 18002700800 पर संपर्क करें।

रालामंडल के पास मिले अज्ञात शव के प्रकरण का 24 घंटे में पर्दाफाश

इंदौर

थाना तेजाजी नगर क्षेत्र के रालामंडल फॉरेस्ट ऑफिस के पास पुलिया के नीचे नग्न अवस्था में एक अज्ञात पुरुष का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध होने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की।

उक्त घटना पर पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा शीघ्र प्रकरण का खुलासा कर आरोपियों को पकड़ने के लिए निर्देशित किया गया। जिसके परिपेक्ष्य में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री अमित सिंह व पुलिस उपायुक्त जोन-1 श्री कृष्ण लालचंदानी* के मार्गदर्शन में, अति. पुलिस उपायुक्त श्रीमती मीना चौहान, एवं सहायक पुलिस आयुक्त श्री रविन्द्र बिलवाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर, आवश्यक निर्देश दिए गए

पुलिस टीम द्वारा जांच करने पर मृतक की पहचान रेनसिंह पिता बालजी बारेला (उम्र 25 वर्ष) निवासी ग्राम तिल्लौर , स्थायी पता हसनापुर जिला गुना के रूप में हुई। जांच के दौरान 50 से अधिक ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे खंगाले गए तथा 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। CCTV फुटेज में रात करीब 2 बजे एक संदिग्ध ऑटो रिक्शा और स्कूटी घटना स्थल की दिशा में जाती दिखाई दी। जिस पर तकनीकी व मैदानी साक्ष्यों के की कड़ियाँ और आधार पर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंच बनाई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मामूली कहासुनी के बाद आरोपियों ने मृतक के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को ऑटो रिक्शा

से रालामंडल पुलिया के नीचे फेंक दिया था और भाग गए थे।01 विरेन्द्र उर्फ गोलू सिंह ठाकुर (32 वर्ष) निवासी तिल्लौर खुर्द (पूर्व मे अपराध क्र. 356/2020 धारा 294,323,506,34 भादवि व 3(2)(ङ्क) स्ष्ट/स्ञ्ज ष्ह्ल थाना खुडेल), 02 लोकेश उर्फ लक्की पाटीदार (35 वर्ष) निवासी तिल्लौर खुर्द।, 03 राजेश उर्फ राजा खेडे (31 वर्ष) निवासी तिल्लौर खुर्द (पूर्व मे अपराध क्र. 499/2021 धारा 304क्क,498 भादवि व 3/4 दहेज अधिनियम थाना खुडेल), 04 किशोर पाटीदार (38 वर्ष) निवासी तिल्लौर खुर्द, 05 प्रवीण उर्फ नजरू पाटीदार (23 वर्ष) निवासी तिल्लौर खुर्द, 06 विष्णु उर्फ अन्ना गवली (22 वर्ष) निवासी तिल्लौर खुर्द थाना प्रभारी तेजाजीनगर देवेन्द्र मरकाम, उ.नि. अविनाश नागर, सउनि मनोहर सोलंकी, प्र.आर. देवेन्द्र परिहार, आर. दीपेन्द्र राणा, आर. प्रदीप रावत, आर. अरुण घुरैया, आर. कैलाश विश्वकर्मा, सायबर सेल के आर. अमित खत्री, आर. प्रशांत मण्डलोई, आर. गोवर्धन बघेल, म.आर. आरती राजपूत का विशेष योगदान रहा।

आस्था पर पहरा क्यों? सतीश भाऊ की खजराना यात्रा का सच

इंदौर। खजराना गणेश मंदिर में भगवान गणेश को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती का निमंत्रण देने पहुँचे सतीश भाऊ की यात्रा को लेकर मीडिया के एक वर्ग और प्रशासन में जो हलचल है, वह कई गहरे सवाल खड़े करती है। क्या भक्ति के द्वार पर भी अब वर्ग और छवि देखी जाएगी?

भक्ति और अधिकार-कुछ अहम तथ्य

संवैधानिक अधिकार- भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। कानून की नजर में कोई व्यक्ति क्या है, यह न्यायालय तय करता है, लेकिन भगवान के द्वार पर हर भक्त केवल एक भक्त होता है।

नियमों में स्पष्टता का अभाव- क्या खजराना मंदिर के गर्भ गृह के बाहर कोई ऐसा आधिकारिक सूचना बोर्ड लगा है जो स्पष्ट रूप से प्रवेश को वर्जित बताता हो? यदि प्रशासन ने कोई सख्त निषेधाज्ञा जारी नहीं की है, तो एक श्रद्धालु की आस्था को हंगामा क्यों बनाया जा रहा है?

शांतिपूर्ण दर्शन- सतीश भाऊ अपनी पत्नी के साथ एक सामान्य दंपत्ति की तरह भगवान के चरणों में शीश नवाने गए थे। न कोई जोर-जबरदस्ती हुई, न ही सुरक्षाकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार। जब उद्देश्य पावन हो–स्वराज के प्रणेता शिवाजी महाराज की जयंती का निमंत्रण देना–तो उसे विवाद का रंग देना कहाँ तक उचित है?

प्रशासन और व्यवस्था पर सवाल

यदि गर्भगृह में प्रवेश को लेकर कोई आपत्ति है, तो उसकी जिम्मेदारी मंदिर प्रशासन और वहां की व्यवस्था को देख रहे अधिकारियों की है।

सुरक्षा एजेंसी की महिला गार्ड या एक श्रद्धालु को निशाना बनाना केवल अपनी कमियों को छिपाने जैसा है।

मंदिर की पवित्रता और गरिमा सबके लिए समान होनी चाहिए। यदि शहर के रसूखदारों, मंत्रियों और धनाढ्यों के लिए गर्भगृह के द्वार स्वतः खुल जाते हैं, तो एक सामान्य नागरिक या किसी विशेष व्यक्ति के वहां जाने पर दोहरा मापदंड क्यों?

निष्कर्ष–आस्था का कोई रिकॉर्ड नहीं होता

19 फरवरी को होने वाली शिवाजी जयंती एक सांस्कृतिक उत्सव है। इस उत्सव का निमंत्रण लेकर जाना एक धार्मिक और सामाजिक कार्य है। सतीश भाऊ की इस यात्रा को विवादों के बजाय उनकी श्रद्धा के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। भगवान के दरबार में न कोई छोटा है, न बड़ा, और न ही कोई अपराधी या निर्दोष–वहाँ सिर्फ भाव प्रधान होता है

उर्स के मौके पर राष्ट्रीय संतों ने की चादर पेश एकता भाईचारे की हुई मिसाल पेश

इंदौर। सभी वर्ग द्वारा हज़रत ग़ैबशाह वली के 7 8 वें उर्स की परम्परागत चादर शरीफ से एकता व भाईचारे के पैग़ाम आशिकाने ग़ैबशाह वली सरकार में राष्ट्रीय संतों की एवं सर्व धर्म संस्था के अध्यक्ष मंजूर बैग की मौजूदगी मे चादर पेश की गई सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बेग, अफजल खान पहलवान चंदू भैया युसूफ बाबा महमूद भाई सूफी इदरीश बाबा माहिर बाबा सूफी नौशाद बाबा, हिलाल अहमद चिश्ती, संचालक मुश्ताक़ भाई, उर्स संचालक साबिर वोरा, मोहम्मद मुकेश बजाज रियाज खान सोहेल पठान शकील खान वारसी आरिफ साहब वारसी अमित भाऊ गोलू शेख आदि मौजूद थे। मुख्य अतिथि मंजूर बेग ने कहा कि सूफी संत देश में एकता की मिसाल हैं। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर सभी धर्मों में आपसी सौहार्द कायम करना चाहिए। अतिथियों का स्वागत साफा बांधकर अफजल खान ने किया। सूफियाना महफिल सजी। जिसमें फ़नकारों ने ÷गैबशाह वली सरकार तेरे दीवाने आये हैं,एक मस्त नज़र डाली, मस्ताना बना डाला, ख़्वाजा ने जिसे चाहा दीवाना बना डाला÷

सुनाकर खूब सूफियाना रंग जमाया। शर्बत, आइसक्रीम और तबर्रुक बांटा गया।

हजरत गैबशाह वली की दरगाह पर जहां पूरी अक़ीदत के साथ परम्परागत ढंग से गुलाब के फूल व इत्र के साथ लोबान की धूनी के बीच चादर पेश की गयी। हज़रत ग़ैबशाह वली के उर्स का समापन रविवार रंग-ए-महफिल और लंगर के साथ होगा। ख़ास बात ये है कि इस उर्स में सभी समुदाय के लोग श्रद्धा के साथ पहुंचते हैं और अपनी मान-मुराद लेकर दुआ मांगते हैं।

मां अहिल्या की नगरी में परमहंस आचार्य जी महाराज का भव्य स्वागत

इंदौर। मां अहिल्या की पावन नगरी इंदौर में पूज्य तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर परमहंस आचार्य जी महाराज का आगमन भक्तों के लिए आध्यात्मिक उत्सव का अवसर बन गया। उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव ने अपने आशीर्वचन में विशेष रूप से युवाओं को संबोधित करते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ÷युवा शक्ति राष्ट्र की धरोहर है। यदि युवा नशे से दूर रहकर संस्कार, सेवा और साधना के मार्ग पर चलेंगे तो समाज और राष्ट्र दोनों सशक्त होंगे।÷ उन्होंने युवाओं से संयमित जीवन, सकारात्मक सोच और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में तपस्वी श्री योगी सिद्धनाथ जी अघोर, श्री लालदास जी महाराज, पूर्व मंत्री दिलीप राजपाल, सरपंच नारायण सिंह चौहान, अंकित जी पत्थरोद, शुभम जी टॉक, कमल कुमावत जी, सत्यनारायण कुमावत जी तथा फारूक मंसूरी जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय रहा तथा उपस्थित जनसमूह ने गुरुदेव के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया गया।

आओ प्रेम कर लो

प्रणय पथिक हूँ मैं,मेरे रग,रग में प्यार है,
सारे जगत में जो है,सब मेरा ही संचार है,
हर समस्या का समाधान है,ये मेरा प्रेम है,
सुख मेरे पास,खुशी मेरे पास,समृद्धि मेरे पास है द्य

मेरे पास है आनंद, और कुछ न मागे मेरा मन ,
जन्मते ही माँ की ममता लाड़ प्यार मिला है,
पिता ने आँखों में प्यारा संसार भर दिया है,
सम्मान करूँ जन्मदाता का,उन्हे नहीं कुछ आस है !

देश में नदियाँ बहे, अब प्रेम संस्कार की,
किसी से भी बेर न हो,न किसी से हो द्वेष,
दोस्त न छूटें कभी,जैसा देश वैसा मेरा भेष है,
सब ओर प्रेम ही प्रेम होगा,ऐसा मुझे विश्वाश हैद्य

जहाँ जहाँ भी जाता हूँ, प्रेम दीपक जलाता हूँ,
आओ तुम भी संग संग प्यार का दीपक जलाये,
उज्जवल हो जीवन सभी का कुछ ऐसा कर जाये,
घर घर खुशहाली है,जहाँ जहाँ भी मेरा वास है द्य

विपिन जैन श्रीजैन
218, श्रीमङ्गल नगर
बंगाली चौराहा बिचोली हप्सि रोड़
इंदौर म. प्र.

बोरे में बंधी मिली युवती की लाश क्षेत्र में मचा हड़कंप पहचान की कोशिश जारी

शहडोल . प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधी गांव स्थित मुड़ना नाला में बोरे में बंधी अज्ञात युवती की लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। रविवार दोपहर खेत में सिंचाई के लिए पंप लगाने गए एक किसान ने नाले में पानी के बीच पड़ा एक बोरा देखा, जिससे तेज बदबू आ रही थी। संदेह होने पर किसान ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोरे को खुलवाया तो उसके भीतर करीब 30 वर्षीया अज्ञात युवती का शव मिला। पुलिस के अनुसार शव लगभग तीन से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। बोरा मजबूती से बंधा हुआ था और उसमें पत्थर भी रखे गए थे, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की आशंका जताई जा रही है।घटना की जानकारी लगते ही गांव के लोग भी मौके पर पहुंचे है। मौके पर पुलिस एवं एफएसएल की टीम भी जांच करने पहुंची। सिंहपुर थाना प्रभारी एम.एल. रहगडाले ने बताया कि युवती के दाहिने हाथ पर ÷छ.क्र÷ गुदा हुआ है, जबकि गदेली (हथेली के पास) पर ' ? ' का निशान बना है। इन चिन्हों के आधार पर पहचान की कोशिश की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि सिंहपुर थाना क्षेत्र में इस उम्र की किसी युवती की गुमशुदगी दर्ज नहीं है, लेकिन कोतवाली थाना में दर्ज एक गुम इंसान की उम्र इस शव से मिलती-जुलती है। इसकी सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है।फिलहाल शव को अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्रों में भी गुमशुदगी की जानकारी जुटाई जा रही है। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

आबकारी इंदौर की कार्यवाही

इंदौर, आदित्य शर्मा। कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी,डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री धर्मेंद्र जोशी, श्री जहांगीर खान के नेतृत्व में दिनांक-13/02/2026 को वृत्त- बंबई बाजार एवं वृत्त बालदा कॉलोनी के प्रभारी उप निरीक्षक मीरा सिंह की टीम के द्वारा शहरी क्षेत्र में विभिन्न ढाबों पर अवैध मदिरा का विक्रय एवं पिलाए के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। आज की कार्यवाही में दौराने गस्त पिपल्या पाला एवं राजीव गांधी स्थिति ढाबा काका की महफ़िल ,यश ढाबा एवं वीर जी का ढाबा पर कुल 6 प्रकरण आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 36 ( ) के 3 एवं धारा 36(क्र) के 3 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा स्प्रिट लगभग 8.2 बल्क लीटर एवं माल्ट लगभग 2.1 बल्क लीटर को कब्जे आबकारी लिया । कुल मदिरा की अनुमानित बाजार मूल्य 12800/- रुपए रही।

यमराज जी ने कहा 'सड़क दुर्घटना में अकाल मृत्यु से बचना है तो नियमों का पालन कीजिये

इंदौर. आदित्य शर्मा

इंदौर शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुखद यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री राजेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज दिनांक को पलासिया चौराहा पर पुलिस उपायुक्त श्री राजेश कुमार त्रिपाठी सहित यातायात के एडिशनल डीसीपी, एसीपी एवं थाना प्रभारी की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आमजनमानस को यातायात नियमों की गंभीरता से अवगत कराने हेतु यमराज जी के प्रतीक स्वरूप द्वारा वाहन चालकों के बीच पहुंचकर संदेश दिया गया। इस दौरान दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, ओवर स्पीडिंग के दुष्परिणाम, रेड लाइट पर स्टॉप लाइन के पीछे वाहन रोकने, एवं वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी अभिनय के माध्यम से दी गई। यमराज जी द्वारा कहा गया कि ÷यम हैं हम, आज सिखाएंगे आपको सड़क सुरक्षा नियम। यदि असमय और अप्रिय सड़क दुर्घटना में अपनी जिंदगी नहीं खोना है तो नियमों का पालन जिम्मेदारीपूर्वक करें, क्योंकि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है। एक छोटी सी लापरवाही आपको हमारे पास पहुंचा सकती है। हम नहीं चाहते कि सड़क हादसों में कोई अपनी जिंदगी गंवाए। इस अवसर पर डीसीपी श्री त्रिपाठी द्वारा जरूरतमंद दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनाकर हेलमेट के महत्व को समझाया गया। साथ ही जो वाहन चालक जिम्मेदारीपूर्वक यातायात नियमों का पालन कर रहे थे, उनकी सराहना करते हुए उन्हें चॉकलेट एवं उपहार प्रदान किए गए। डीसीपी श्री त्रिपाठी ने बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों की गंभीरता समझाकर इंदौर शहर के यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाना है। यातायात पुलिस लगातार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु जागरूकता कार्यक्रमों/नवाचारों के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी निरंतर कर रही है।

महाशिवरात्रि पर केदारनाथ गोमुख मंदिर में बाटी चार क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी

बैड़िया।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर चीतल नदी किनारे पांडव कालीन केदारनाथ गौमुख धाम मंदिर बागदा में रविवार को सुबह से ही सैकड़ों भक्तों ने दर्शन किए । यहाँ प्राकृतिक रूप में गौमुख शिला से जल धारा निरंतर भगवान शिव का अभिषेक करती है । शिवरात्रि पर यहाँ हजारों की संख्या में भक्तों ने पहुँचकर पूजा अर्चना की है ।प्रसिद्ध मंदिर आस्था का केंद्र बना हुआ है । महाशिवरात्रि पर्व को शिव पार्वती के विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है । इसलिए इस दिन विवाहित महिलाओ के व्रत का काफी महत्व है ।पूरे विधि विधान से व्रत रखने से इस दिन भगवान शिव से पति की लंबी उम्र का वरदान मिलता है । इस दिन क्षेत्र महिलाएं पति की लंबी उम्र

के लिए भगवान केदारेश्वर मंदिर में दिप बाती लगाती है । यहाँ भक्तों द्वारा आने वाले श्रद्धालुओं को चार क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी, चाय, पानी के साथ पूर्ण व्यवस्था की गई। समिति अध्यक्ष भूपेंद्र कानवा, उपाध्यक्ष रविन भटानिया, नरेंद्र पाटिल, कमलेश यादव, राहुल यादव, अंकित सोनी, पंकज यादव, शुभम कानवा, शैलेन्द्र चाचरिया, वही प्रसादी मुकेश कानावा, पानी व्यवस्था आकाश वर्मा, लखन यादव, लेकेन्द्र गुल्या, तिलोकचंद पुनास्या, दिनेश कानावा द्वारा व्यवस्था की गई ।सरपंच प्रतिनिधि झवरलाल पटेल, हीरालाल भटानिया, गणेश पुनास्या, सुरेश राँड़वा, हुकुमचंद यादव सहित बागदा बुजुर्ग व बागदा खुर्द के साथ पुलिस प्रशासन व ग्रामीणों का सहयोग सहरानीय रहा।

गंगा महादेव तीर्थ पर भगोरिया पर्व की शुरुआत

सरदारपुर

धार जिले के तिरला स्थित प्रसिद्ध गंगा महादेव तीर्थ में वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार भगोरिया पर्व का भव्य आगाज़ हो गया है। होली से पूर्व पहली मांदल की थाप के साथ यहां आदिवासी संस्कृति का रंगारंग उत्सव शुरू हुआ।

धार जिले के तिरला के समीप प्राकृतिक वादियों में बसे गंगा महादेव तीर्थ पर रविवार को जैसे ही पहली मांदल गूंजी, वैसे ही भगोरिया हाट की शुरुआत हो गई। बताया जाता है की लगभग 150 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत गंधवानी, सरदारपुर और मनावर अंचल से आए आदिवासी नृत्य दलों ने पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-मांदल की थाप पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

भगोरिया का शुभारंभ पांडवकालीन शिव मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ होता है। इसके बाद घाटी में लोकगीतों और पारंपरिक नृत्य की गूंज दूर तक सुनाई देती है। युवक-युवतियां रंग-बिरंगी पोशाकों में थिरकते नजर आए, वहीं बुजुर्ग भी इस सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बन गर्व महसूस करते दिखे। मेले में ग्रामीणों द्वारा झूले, चकरी और पारंपरिक वस्तुओं की दुकानें सजाई गई हैं। हजारों श्रद्धालु और

दर्शक इस सांस्कृतिक महाकुंभ के साक्षी बने। यह आयोजन केवल एक मेला नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, परंपरा और आपसी मेल-मिलाप का प्रतीक है। धार, झाबुआ और अलीराजपुर जिलों के आदिवासियों के लिए गंगा महादेव तिरला का भगोरिया सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां उल्लास, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

खरगोन में हज यात्रियों का टीकाकरण 17 फरवरी को

स्वास्थ्य विभाग ने लगाई ड्यूटी

खरगोन। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा जिले के हज यात्रियों के अनिवार्य टीकाकरण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आदेश के अनुसार 17 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे से नगर जमात खाना मोहन टॉकीज में टीकाकरण सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें करीब 220 हज यात्रियों का टीकाकरण किया जाएगा। कार्यालय से जारी पत्र के मुताबिक जिला हज कमेटी खरगोन के आवेदन के आधार पर यह कार्यक्रम तय किया गया है। हर वर्ष की तरह इस बार भी हज यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों का टीकाकरण अनिवार्य किया गया है ताकि अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम किए जा सकें। इस कार्य के लिए जिला चिकित्सालय खरगोन के डॉ. रेहान खान सहित एएनएम व डाटा एंट्री ऑपरेटरों की ड्यूटी लगाई गई है। आदेश की प्रतिलिपि कलेक्टर कार्यालय खरगोन, सिविल सर्जन और संबंधित विभागों को भी सूचनार्थ भेजी गई है। जिला हज कमेटी के जिला अध्यक्ष आसिफ फतेह ने बताया कि हज यात्रा पर जाने वाले सभी यात्रियों के लिए टीकाकरण अनिवार्य प्रक्रिया है, इसलिए सभी यात्री तय समय पर पहुंचकर टीका लगवाएं, ताकि यात्रा संबंधी औपचारिकताओं में कोई बाधा न आए। स्वास्थ्य विभाग ने भी यात्रियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होकर टीकाकरण करवाएं, जिससे सभी आवश्यक स्वास्थ्य तैयारियां समय पर पूरी हो सकें।

एम पी ट्रांसको इंदौर के सहायक अभियंता चन्द्रकांत कौशल नवाचार के लिए सम्मानित

इंदौर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 132 के. व्ही. उपकेन्द्र चम्बल, इन्दौर मे पदस्थ सहायक अभियंता चंद्र कांत कौशल को उल्लेखनीय नवाचार कर इंदौर की विद्युत आपूर्ति बनाए रखने मे महत्वपूर्ण योगदान के लिए एमपी ट्रांसको के मुख्यालय जबलपुर में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया.उल्लेखनीय है कि 132 के. व्ही. उपकेन्द्र चम्बल, इन्दौर में बार-बार विद्युत सप्लाई सिस्टम का महत्वपूर्ण उपकरण आइसोलेटर का संवेदनशील पार्टस जलने की समस्या आ रही थी. इंदौर शहर में विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए इस पार्ट्स की निर्माता कंपनी के पास उपलब्धता न होने से विषम परिस्थिति निर्मित होने लगी थी इस समस्या के समाधान के लिये सहायक अभियंता चन्द्रकांत कौशल द्वारा नवाचार करते हुए सबस्टेशन में ही उपलब्ध वेस्ट मटेरियल से आइसोलेटर पार्टस बनाने की मशीन का इन हाउस निर्माण किया गया, जिससे खराब पार्टस को अल्पावधि में बदल कर इंदौर जैसे शहर मे विद्युत व्यवधान को कम किया जा सका है। इस विशेष अवसर पर एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी एवं ट्रांसमिशन क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता श्री नीलकंठ गजानन टिकेकर ने उन्हें मेडल, प्रमाण पत्र, नगद राशि एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया।

वैलेंटाइन डे पर तंबाकू के खिलाफ आवाज कार्यक्रम आयोजित

मुंबई । वैलेंटाइन डे के अवसर पर तंबाकू के खिलाफ आवाज संस्था का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जो तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित एक संस्था है, एक सशक्त संदेश दे रहा है फ दिल से प्यार करें, तंबाकू से नहीं ।फ

जो जीवन से करें प्यार वो तंबाकू से करेगा इनकार ।14 फरवरी प्रेम के उत्सव का दिन है ।इस खास मौके पर संस्था लोगों से अपील करती है कि वे अपने प्यार का इज़हार देखभाल, प्रतिबद्धता और स्वस्थ जीवनशैली के माध्यम से करें — न कि ऐसी आदतों के जरिए जो स्वयं और अपने प्रियजनों को नुकसान पहुंचाती हैं। वॉइस अगेंस्ट टोबैको के चेयरमैन उमेश थानावाला का दृढ़ विश्वास है कि वैलेंटाइन डे जैसे विशेष अवसरों के साथ एंटी-तंबाकू संदेशों को जोड़ने से उनका प्रभाव अधिक गहरा और स्थायी होता है। मुंबादेवी मंदिर

परिसर में स्थित दागिना बाज़ार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजुभाई सोलंकी ने इस बैनर का विमोचन करते हुए कहा कि जब संदेश भावनात्मक रूप से उत्सवों से जुड़ते हैं, तो वे धूम्रपान करने वालों और तंबाकू उपयोगकर्ताओं के दिल तक पहुंचते हैं और उन्हें सोचने तथा तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मुंबई के अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी ने कहा इस भावनात्मक अभियान के माध्यम से वॉइस अगेंस्ट टोबैको का उद्देश्य लोगों को लत के बजाय स्वास्थ्य को चुनने के लिए प्रेरित करना है और यह संदेश देना है कि वैलेंटाइन डे का सच्चा प्रतीक प्रेम हो — तंबाकू नहीं। वरिष्ठ समाज सेवक मंगलचंद सेठ ने कहा की किसी भी समय तंबाकू का सेवन नही करना चाहिए।तंबाकू धीमा जहर है जो शरीर को मौत की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि प्यार पवित्र हो, दिल स्वस्थ रहें। इस अवसर पर दागिना बाज़ार के प्रमुख व्यापारी प्रदीप जैन, ललित जैन , नरेंद्र जैन सहित अनेक व्यापारीगण उपस्थित रहे ।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक कर बाल विवाह दी पर जानकारी

विदिशा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा के मार्गदर्शन में सिरोंज परियोजना में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तृतीय चरण में बाल विवाह रोकथाम के संबंध में सेवाप्रताओं और आगनबाडी कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

महिला बाल विकास विभाग विदिशा से बाल विवाह रोकथाम प्रभारी श्री मुकेश ताम्रकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तृतीय चरण में की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी गई। बाल विवाह रोकथाम में सेवाप्रताओं की अहम भूमिका के बारे में बताया गया। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी दी गई। बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं पुलिस हेल्पलाइन 112 पर तत्काल देकर बाल विवाह को होने से पूर्व रोका जा सकता है। सेवाप्रताओं से अपील की गई कि वह किसी भी नाबालिग बच्चें के

विवाह में शामिल न हो ,किसी भी प्रकार की सेवाएं न दें, बालक ध्वालिका की आयु संबंधी जानकारी परिजनों से एवं आसपास के लोगों से मालूम करलें। सेवा प्रताओं और आगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। बाल विवाह दंडनीय अपराध है । बाल विवाह न रचें , अपराध से बचें का नारा दिया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक इमाबेला किस्पोट्टा, निर्मला इक्का, नसरीन खान, भावना बावलिया बद्री प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

ईको-फ्रेंडली ईंटों से निर्मित होंगे पीएम आवास योजना के होम-स्टे

सीहोर। जिले के ग्रामीण अंचलों में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना अब केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित न रहकर ग्रामीणों की आय वृद्धि का सशक्त माध्यम भी बनेगी। जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए जनपद पंचायत सीहोर अंतर्गत ग्राम खारी एवं बिलकिसगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित होने वाले आवासों को होम-स्टे मॉडल पर विकसित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस पहल के अंतर्गत निर्मित आवासों के निर्माण में पारंपरिक ईंटों के स्थान पर पूर्णतः इको-फ्रेंडली ईंटों का उपयोग किया जाएगा। राख एवं कृषि अवशेषों से निर्मित ये ईंटें थर्मल इंसुलेशन युक्त होने से ग्रीष्म ऋतु में घर को ठंडा तथा शीत ऋतु में गर्म बनाए रखने में सहायक होंगी। साथ ही इनसे निर्माण लागत में कमी आने के साथ बाह्य प्लास्टर की आवश्यकता भी न्यूनतम रहेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

जिला पंचायत, ग्रामीण आवास योजना प्रकोष्ठ के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को होम-स्टे संचालन हेतु प्रेरित एवं मार्गदर्शित

किया जाएगा, ताकि वे अपने आवास को आय सृजन के साधन के रूप में विकसित कर सकें। ग्राम बिलकिसगंज एवं खारी प्राकृतिक सौंदर्य, ग्रामीण परिवेश एवं शांत वातावरण के लिए विख्यात हैं। भोपाल के समीप स्थित होने के कारण यहां वीकेंड पर्यटन की व्यापक संभावनाएं विद्यमान हैं। वर्तमान में क्षेत्र में संचालित होम-स्टे पर्यटकों द्वारा निरंतर बुक रहते हैं। प्रस्तावित योजना के क्रियान्वयन से पर्यटकों को ग्रामीण जीवन शैली, पारंपरिक भोजन, खेत-खलिहानों की सैर तथा स्थानीय लोक संस्कृति का अनुभव प्राप्त हो सकेगा।

होम-स्टे की संख्या में वृद्धि से ग्राम स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। महिला स्वसहायता समूहों एवं ग्रामीणों द्वारा हस्तशिल्प, दुग्ध उत्पाद, देसी घी, अनाज एवं स्थानीय उत्पादों का विक्रय किया जा सकेगा। साथ ही लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को भी आय अर्जन का अवसर प्राप्त होगा। सीहोर जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल ने बताया कि खारी एवं बिलकिसगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित आवासों को होम-स्टे मॉडल पर विकसित करने हेतु हितग्राहियों को प्रेरित किया जाएगा। इको-फ्रेंडली ईंटों के उपयोग से निर्मित ये आवास टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल होंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाते हुए स्वरोजगार से जोड़ना तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है। पर्यटकों की आवक बढ़ने से विलेज टूरिज्म को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया सीहोर जिला जेल का निरीक्षण

सीहोर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने सीहोर जिला जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया तथा जेल में बंदियों से जाति आधारित भेदभाव या इस प्रकार की भेदभावपूर्ण प्रथाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य ने सभी संबंधितों को निर्देश दिए कि जेल में किसी भी बंदी के साथ जाति आधारित भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही विधिक सहायता से अधिवक्ता नियुक्ति, अपील प्रस्तुति, जमानत आवेदन प्रस्तुति, जमानत के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों, सजा पूरी होने के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने बंदियों की समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान बंदियो को उनके अधिकारों और विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स श्री शरद जोशी, श्री राजेन्द्र कुमार कुशवाह, श्री आसिफ खान, कु. एकता सेन एवं जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल एवं बंदी गण उपस्थित थे।

महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

रायसेन। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं तथा गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश जैन को विकासखण्डों में भ्रमण कर विभागीय योजनाओं तथा गतिविधियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को बरेली में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश जैन तथा एसडीएम बरेली श्री संतोष मुद्गल द्वारा संयुक्त रूप से आईसीडीएस बरेली की समस्त पर्यवेक्षक एवं दो सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक लेते हुए कार्यों की समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में लक्ष्य अनुसार प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

एसआईआर कार्य को निष्ठापूर्वक पूर्ण करने पर कलेक्टर बीएलओ से हुईं रूबरू

ग्वालियर। मतदाता पुनरीक्षण कार्य एसआईआर के समापन अवसर पर सागरताल जलालपुर रोड स्थित संयुक्त अनुविभागीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान बीएलओ से रूबरू हुईं। साथ ही एसआईआर का कार्य निष्ठापूर्वक पूर्ण करने पर उन्हें बधाई दी। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के समापन पर सागरताल जलालपुर रोड स्थित संयुक्त अनुविभागीय कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान शामिल हुईं।

इस अवसर पर कलेक्टर ने बीएलओ से चर्चा की और उनका अनुभव जाना। कर्मचारियों द्वारा एसआईआर कार्य को बेहतर तरीके से पूर्ण करने पर उन्हें बधाई दी। इसके बाद वहां पर प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने बीएलओ के साथ बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, एसडीएम श्री प्रदीप कुमार शर्मा, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनीष सिकरवार सहित तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नवनिर्मित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

डीजे व तेज ध्वनि पर सख्ती, त्योहारों में शांति–सद्भाव बनाए रखने के निर्देश

गुना। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी तीन माह में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं समन्वित संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक गुना श्री पन्नालाल शाक्य, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन,उपखन मंडल अधिकारी श्री नीरज निश्चल (भा.व.से.) सहित समिति सदस्य उपस्थित रहे।

इस दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि जिले की पहचान एक शांतिप्रिय व विकसित जिले के रूप में बनी है। आगामी त्योहारों के दौरान प्रशासन व नागरिक मिलकर शांति और सद्भाव बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने हाल में दो श्रमिकों को मुक्त कर सहायता राशि प्रदान किए जाने

और एक बालिका के गले में सिक्का फंसने जिसको कल सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया गया। जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रशासन सतत तत्पर है। इस संबंध में एसडीएम एवं थाना स्तर पर भी आवश्यक बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आगामी मेलों व आयोजनों को लेकर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सभी प्रमुख आयोजनों व चल समारोहों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा संवेदनशील स्थलों पर सिविल ड्रेस में भी पुलिस कर्मी लगाए जाएंगे। समिति सदस्यों ने जुलूस मार्ग पूर्व निर्धारित करने, जयस्तंभ चौराहा क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, होलिका दहन का समय तय करने तथा तेज ध्वनि वाले डीजे पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के सुझाव दिए। विधायक श्री शाक्य ने भी डीजे पर नियंत्रण, समय-सीमा का पालन तथा नियम उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। कलेक्टरश्री कन्याल ने बताया कि इस वर्ष नवाचार के रूप में गुलाल व फूलों से होली खेलने का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि त्योहारों के दौरान शांति, सौहार्द और अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन की दस्तक सिमटता वसंत और बढ़ती फरवरी की गर्मी

उत्तर भारत में इस वर्ष फरवरी का महीना अप्रत्याशित गर्मी लेकर आया है। कई शहरों में तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोगों को ऐसा महसूस हो रहा है मानो सर्दी के बाद सीधे मई का मौसम आ गया हो। जिस समय फागुन की मादक बयार बहती थी और दिन में हल्की गर्मी के साथ रात में ठंडक रहती थी उस समय अब तेज धूप और शुष्क हवाएं चल रही हैं। वसंत का संतुलित और सुखद स्वरूप जैसे अचानक सिमट गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह स्थिति केवल एक अस्थायी बदलाव नहीं बल्कि दीर्घकालिक जलवायु प्रवृत्ति का संकेत है। वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई और 2025 भी गर्म वर्षों में शामिल रहा। इसका प्रभाव क्षेत्रीय मौसम चक्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है। वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है। पहले सरसों के खेत कई दिनों तक पीले फूलों से लहराते थे और पेड़ों पर नई कोपलें धीरे धीरे खिलती थीं। अब तेज गर्मी के कारण फसल जल्दी पक रही है और फूलों का जीवनकाल कम हो रहा है। अमलतास गुलाब और चमेली की सुगंधित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। पतझड़ और नई पत्तियों के आने का क्रम असंतुलित हो गया है जिससे परागण प्रक्रिया और जैव विविधता पर प्रभाव पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र के लिए यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है। समय से पहले तापमान बढ़ने से गेहूं जैसी रबी फसलों की उपज प्रभावित हो सकती है। मिट्टी की नमी जल्दी समाप्त होती है और सिंचाई की मांग बढ़ जाती है। यदि मार्च और अप्रैल में ही लू जैसे हालात बनते हैं तो किसानों की लागत बढ़ेगी और उत्पादन घट सकता है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि फरवरी में ही गर्मी बढ़ती रही तो हीटवेव का खतरा पहले उत्पन्न हो सकता है। बुजुर्ग बच्चों और श्रमिक वर्ग को अधिक सावधानी की आवश्यकता होगी। जल की कमी और बिजली की बढ़ती मांग से सामाजिक दबाव बढ़ सकता है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रेस के मामलों में वृद्धि की आशंका रहती है। जहां तक आगे ठंड बढ़ने की संभावना का प्रश्न है तो अल्पकाल में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों के लिए बादल और वर्षा हो सकती है जिससे तापमान में हल्की गिरावट आएगी। पश्चिमी हिमालय में वर्षा और बर्फबारी का प्रभाव मैदानी क्षेत्रों तक महसूस हो सकता है परंतु दीर्घकालिक प्रवृत्ति गर्मी की ओर झुकी हुई है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

लेखक- ललित गर्ग

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का? बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की 卐नई गंगा卐 तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं। भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी। बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है। भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमेरिका-भारत में संविधान और लोकतंत्र के नये मानक?

लेखक- सनत जैन

विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश अमेरिका और भारत आज केवल राजनीतिक एवं व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को नये तरीके से परिभाषित करने के केंद्र बन रहे हैं। इस कारण अमेरिका और भारत की संघीय लोकतांत्रिक एवं प्रशासकीय व्यवस्था को लेकर बड़े सवाल उठने लगे हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी क्रांति, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विविधताओं के बीच इन दोनों देशों ने संविधान और लोकतंत्र की नई व्याख्या करने की शुरुआत कर दी है, जो शासक आधारित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का विकेंद्रीकरण एवं जवाबदेही तय होती है। भारत में पिछले कई वर्षों से सत्ता का केंद्रीकरण होता जा रहा है। अमेरिका में भी दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से निर्णय ले रहे हैं, उससे भी शासन व्यवस्था में ट्रम्प का एकाधिकार अमेरिका में बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के जो राज्य हैं, उनकी दूरी केंद्रीय सत्ता से बढ़ती चली जा रही है। नई व्याख्या परंपरागत मूल्यों को बनाए रखते हुए समयानुकूल बदलाव के लिए लोकतांत्रिक पद्धति एवं सत्ता का विकेंद्रीकरण पूर्व की तरह बना रहेगा, तभी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मजबूत रहेंगी। भारत का संविधान विविधता में एकता का प्रतीक है। भारत में विभिन्न भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की असंख्य धाराएँ संविधान एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समाहित हैं। वहीं अमेरिका का संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आज़ादी, मानव अधिकारों की रक्षा एवं संघीय व्यवस्था प्रदान करता है। दोनों देशों ने अपने-अपने ऐतिहासिक अनुभवों से लोकतंत्र को मजबूत किया था। अमेरिका ने स्वतंत्रता संग्राम और नागरिक अधिकार आंदोलनों से, वहीं भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय के लिए भारतीय संविधान तैयार किया था। भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और न्यायिक तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर कई चुनौतियों का सामना अमेरिका और भारत दोनों को ही करना पड़ रहा है। चाहे वह, सत्ता के केंद्रीयकरण का मामला हो या फेक न्यूज़ का प्रसार हो। वैधानिक संस्थाओं पर सत्ता का बढ़ता दबाव लोकतंत्र और न्याय तंत्र दोनों को ही प्रभावित कर रहा है। मानव अधिकारों को लेकर वह स्वतंत्रता अब नहीं मिलती, जैसे कुछ समय पहले देखने को मिलती थी। ऐसे समय में भारत और अमेरिका में सत्ता पक्ष द्वारा लोकतंत्र को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। यह परिभाषा केवल चुनावी प्रक्रिया और सत्ता तक सीमित नहीं है। अमेरिका और भारत में शासन व्यवस्था की पारदर्शिता, जवाबदेही, डिजिटल अधिकारों और नागरिक अधिकारों को लेकर तनाव के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा रहा है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका मे जो निर्णय ले रहे हैं, उनमें वे अमेरिकन कानूनो को नजर अंदाज कर रहे हैं। राज्य और केंद्र के बीच में भी मतभेद बढ़ते चले जा रहे हैं। यही स्थिति भारत में भी देखने को मिल रही है। डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन एक बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका दोनों ने तकनीकी कंपनियों के नियमन, डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ट्रेड डील के माध्यम से नई पहल की है। इससे स्पष्ट है, वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह के वैश्विक नियम और कानून बनाए गए थे उनसे हटकर अमेरिका अपने व्यापारिक समझौते करना चाहता है। भारत एवं अन्य देशों पर अमेरिका जो दबाव बना रहा है, उसके कारण वैश्विक स्तर पर अभी तक जो डॉलर की स्वीकार्यता थी, वैश्विक व्यापार में अमेरिका और डॉलर का जो वर्चस्व था, अब उसे चुनौती मिलना शुरू हो गई है। जिसके कारण संपूर्ण दुनिया के देशों में लोकतंत्र और तानाशाही व्यवस्था को लेकर चर्चा होने लगी है। लोकतंत्र अब केवल संसद, सरकार, कार्यपालिका और न्यायालय तक सीमित नहीं रहा। संविधान की भावना मानव अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था को डिजिटल तकनीकि के साथ जवाबदेही तय करना समय की मांग बन चुकी है। वर्तमान संदर्भ में सामाजिक न्याय और समान अवसर को लेकर लोकतंत्र की नई परिभाषा में बदलाव की जरूरत है। अमेरिका में नस्लीय समानता और भारत में सामाजिक भाषा एवं धार्मिक समावेश में संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकार में सभी को समान अवसर और गरिमा सुनिश्चित करने कुछ बदलाव जरूरी हैं। पिछले कुछ वर्षों से सत्ता पाने के लिये अमेरिका और भारत में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ता जा रहा है। उसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को अपने-अपने ढंग से ढालने के जो प्रयास हो रहे हैं, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मानव अधिकारों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत और अमेरिका की भूमिका महत्वपूर्ण है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग, वैश्विक शांति, सामाजिक सोहार्द्र, धार्मिक और आर्थिक स्थिरता के प्रयास, लोकतंत्र की वैश्विक जिम्मेदारी का प्रतीक है। अमेरिका के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जिस तरह का विरोध पनप रहा है। उसने कई तरह की चुनौतियां पैदा कर दी हैं। ट्रम्प ने धार्मिक धुव्रीकरण को बढ़ाकर सत्ता पर पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है। कुछ इसी तरह की स्थिति भारत में भी है। जिसके कारण दोनों ही लोकतांत्रिक देशों की चर्चा होने लगी है। अमेरिका और भारत का लोकतंत्र सारी दुनिया के लिए अभी तक एक मार्गदर्शक के रूप में काम करता था। पिछले कुछ वर्षों में मानव अधिकार, सरकार के निर्णय और न्यायपालिका की भूमिका सरकारी दबाव में होने से कई तरह की विसंगतियां सामने आने लगी हैं। अमेरिका और भारत में गरीबी और अमीरी के बीच में असमानता बढ़ रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ़-बार के जरिये अमेरिका का एकाधिकार बनाने की जो चेष्टा की जा रही है, उसके कारण वैश्विक तनाव बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। वैश्विक व्यापार संधि होने के बाद भी सभी देश विकल्प की तलाश कर रहे हैं। जिस तरह से प्रतिबंध और टैरिफ की राजनीति अमेरिका से शुरू हुई है, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का काम किया है। पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जो भूमिका पहिले थी, वह भी देखने को नहीं मिल रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूएई के खिलाफ हर हाल में जीत हासिल करने उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली ।

अफगानिस्तान की टीम सोमवार को ग्रुप डी के अहम मुकाबले में अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में सुपर ओवर में हार के कारण अब उसे अंतिम आठ के लिए अपनी संभावनएं बरकारार रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं यूएई ने पिछले मैच में कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड छह और चार अंकों लेकर शीर्ष दो स्थानों पर हैं, ऐसे में यूएई को क्वालीफाई करने इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। वहीं अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद ये मैच जीतना चाहेगी। उसे अंतिम आठ में जगह बनाने अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया था जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली थी। कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि सलामी बल्लेबाज आर्यश शर्मा के 74 रनों से उसे जीत मिली। इसके अलावा शोएब खान ने 51 रन बनाये। यूएई के बल्लेबाजों के लिए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी का सामना करना कठिन रहेगा। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम कहना है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए पर रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजाई जैसे बल्लेबाजों को रोकना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। गुरबाज ने पिछले मैच में 42 गेंदों में 84 रन बनाकर बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी की थी जो वह अब भी जार रखना चाहेंगे।

टी20 विश्वकप : वेस्टइंडीज ने नेपाल को 9 विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी

होल्डर ने 4 विकेट लिए , शाई होप ने अर्धशतक लगाया

मुंबई ।

जैसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी और कप्तान शाई होप के अर्धशतक से वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में नेपाल को नौ विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी है। इस प्रकार वेस्टइंडीज इस ग्रुप से सुपर आठ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। वेस्टइंडीज की जीत में जैसन होल्डर सहित अन्य सभी गेंदबाजों की भी अहम भूमिरा रही। होल्डर ने 27 रन देकर 4 विकेट लिए जिससे नेपाल के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाये। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दीपेंद्र सिंह ऐरी के 58 रनों की सहायता से 20 ओवरों में आठ विकेट पर 133 रन बनाये। दीपेंद्र के अलावा सोमपाल कामी ने 15 गेंद पर चार चौकों की सहायता से नाबाद 26 रन बनाये। इसके बाद 134 रनों के लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने में 15.2 ओवरों में केवल एक विकेट के नुकसान पर ही 134 रन बनाकर हासिल कर लिया। कप्तान शाई होप ने पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 61 रन बनाए।

वहीं शिमरोन हेटमायर ने 32 गेंद पर चार चौके और दो छक्के लगाकर नाबाद 46 रन बनाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी हुई। वेस्टइंडीज की टीम ने इस प्रकार लगातार तीसरी जीत के साथ ही छह अंक हासिल कर ग्रुप सी में नंबर एक स्थान पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह इस समूह से सुपर आठमें पहुंचने वाली पहली टीम है। वहीं इंग्लैंड चार अंक के साथ इस ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। वहीं नेपाल की टीम लगातार तीसरी हार के साथ ही सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गयी है।

वेस्टइंडीज की जीत की बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों ने भी योगदान दिया । होल्डर ने चार विकेट लिए जबकि मैथ्यू फोर्ड ने चार ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया। होल्डर को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने तेज शुरुआत की। ब्रैंडन किंग ने 17 गेंद पर 22 रन बनाये। वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में एक विकेट पर 44 रन बनाए। हेटमायर ने संदीप लामिचाने की गुगली पर पारी का पहला छक्का लगाया। वहीं शाई होप ने छक्का जड़कर 38 गेंद में अपने पचास रन पूरे किया। इसी के साथ ही होप ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 10वां अर्धशतक लगाया है। लामिचाने ने तीन ओवर में 38 रन दिये।

मिलान में विंटर ओलंपिक में महिलाओं की स्पीड स्केटिंग 1000 मीटर की अभ्यास रेस में भाग लेती हुई चीनकी यांग जिंगरू।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन परिवार से मिलने स्वदेश लौट

नई दिल्ली ।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पापा बन गये हैं। ऐसे में वह अपने परिवार से मिलने के लिए स्वदेश लौट गये हैं। इस कारण फर्ग्यूसन 17 फरवरी को कनाडा के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड की टीम का अंतिम मुकाबला कनाडा से होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने रविवार सुबह कहा कि फर्ग्यूसन को परिवार के पास जाने के लिए छुट्टी दी गयी है। न्यूजीलैंड टीम के कोच रॉब वाल्टर ने कहा, यह फर्ग्यूसन और उनके परिवार के लिए बहुत ही रोमांचक समय है और हमें खुशी है कि वह इतने खास मौके पर घर पर ही होंगे। कोच वाल्टर ने साथ ही कहा, हम फर्ग्यूसन की जगह किसी अन्य को शामिल नहीं करेंगे क्योंकि वह टूर्नामेंट के सुपर 8 चरण में वापसी करेंगे। ट्रैवलिंग रिजर्व बेन सियर्स और कोल मैकॉन्ची जरूरत पड़ने पर दल में शामिल रहेंगे। न्यूजीलैंड ने इस टूर्नामेंट में अब तक अपने तीन ग्रुप मैचों में से दो जीते हैं और मंगलवार को उसका मुकाबला कनाडा से होगा। न्यूजीलैंड की टीम अपने अंतिम लीग चरण के इस मैच को जीतती है तो आसानी से सुपर 8 में पहुंच जाएगी। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में फर्ग्यूसन 33 रन देकर केवल एक विकेट ही ले पाये थे।

तारिक एक सामान्य ऑफ-स्पिनर गेंदबाज - गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि उस्मान तारिक एक सामान्य ऑफ-स्पिनर गेंदबाज हैं। गांगुली के अनुसार वह थोड़ा ब्रेक लेने के बाद ही गेंद छोड़ते हैं पर इसके बाद भी उन्हें खेलना मुश्किल नहीं है। तारिक ने अब तक सिर्फ चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 विकेट लिए हैं जिससे उन्हें खतरनाक गेंदबाज मान लिया गया है।

मार्करम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

अहमदाबाद । दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने टी20 विश्व कप 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 44 गेंदों में नाबाद 88 रनों की पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही मार्करम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये। मार्करम ने अपनी इस पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाये। इससे पहले ये रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम था। इससे दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी के इस मैच में जीत के लिए मिले 176 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्करम ने इस मैच में केवल 19 गेंदों में ही पचास रन पूरे कर लिए। ये टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे तेज अर्धशतक है। इस प्रकार उन्होंने रोहित शर्मा के क्लब में प्रवेश किया। रोहित ने साल 2024 टी20 विश्व कप में कप्तान के तौर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 गेंदों में ही अपने पचास रन बना दिये थे। तब रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 गेंदों में 92 रनों की पारी खेली, जिसमें सात चौके और आठ छक्के शामिल हैं। सबसे तेज पचास रन बनाने वाले कप्तानों में श्रीलंका के दासुन शनाका भी हैं। शनाका ने भी ओमान के खिलाफ 19 गेंदों में 50 रन बनाये थे। वहीं मोहम्मद अशरफुल ने 20 और महेला जयवर्धने ने 21 गेंद में अर्धशतक लगाये थे।

डीकाक ने 3000 पूरे किये

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। डीकॉक ने इस मैच में 4 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। अब वह इस प्रारूप में 3000 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के 13वें बल्लेबाज़ बन गए हैं। डी कॉक ने अब तक 105 टी20ढ्ढ मैचों में कुल 3,018 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत= 31.76 और स्ट्राइक रेट= 142.42 रन रहा है। उन्होंने दो शतक लगाये हैं। इस प्रकार वह दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20ढ्ढ और टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन बये हैं। इस विश्व कप में उनके पास ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच के 3120 रन, डेविड वार्नर के 3277 रन और विरनदीप सिंह के 3180 रन के स्कोर को पीछे छोड़ने का अवसर भी है।

बीसीसीआई के नियम का उल्लंघन कर रहे पांड्या

टी20 विश्वकप के दौरान गर्लफ्रेंड महिका के साथ नजर आये

कोलंबो ।

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या टी20 विश्कवप के लिए अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ कोलंबो पहुंच हैं। जिसके कारण वह निशाने पर आ गये हैं। इसका कारण है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेटरों को अपने

परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं दी है। भारतीय टीम यहां पाकिस्तान के साथ मुकाबले के लिए जब पहुंची तो महिला भी हार्दिक के साथ थी। पांड्या महिका का हाथ पकड़कर एयरपोर्ट से बाहर आये।

ऐसे में अब बोर्ड के परिवार को साथ नहीं रखे जाने नियम पर भी सवाल उठे हैं। इससे पहले नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद दिल्ली में हार्दिक और महिका को होटल में एक साथ देखा गया था। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर ये भी कहा जाने लगा कि हार्दिक बोर्ड के नियम का खुलेआम उल्लंघन करते हैं। बीसीसीआई के परिवार को बनाये नियम के अनुसार 45 दिनों से ज्यादा लंबे टूर पर ही खिलाड़ी अपने साथ अपने परिवार को रख सकते हैं। केवल इतना ही नहीं, इस 45 दिनों के टूर में भी खिलाड़ी अधिक से अधिक 14 दिन ही परिवार को साथ रख सकेंगे। आईसीसी टी20 विश्व कप 45 दिनों त नहीं चलने वाला है। ऐसे में यहां बीसीसीआई का नियम सख्ती से लागू नहीं किया जा सकता है पर खिलाड़ियों के जो भी परिजन पहुंचने हैं। उनके लिए व्यवस्था बोर्ड नहीं करता बल्कि उन्हें अपना इंतजान स्वयं करना होता है। उन्हें टीम होटल में साथ रुकने की अनुमति नहीं है। ये नियम इसलिए बनाया गया है जिससे खिलाड़ी का ध्यान अपने खेल पर ही रहे। वहीं हार्दिक बोर्ड के नियम के खिलाफ जाकर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ होटल में पहुंचे।<

व्यापार समझौतों को लेकर झूठ फैला रहे हैं राहुल गांधी

विपक्ष के आरोप हास्यास्पद... किसानों के हित सुरक्षित: शाह

■ डिजिटल मुद्रा आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली का शुभारंभ

एजेंसी | गांधीनगर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापार समझौतों को लेकर किसानों को गुमराह करने और झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार ने देश के कृषि और दुग्ध उत्पादन क्षेत्रों की पूरी तरह से सुरक्षा की है। शाह ने व्यापार समझौतों से भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचने के विपक्षी दल के आरोपों को हास्यास्पद बताया।

उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी संसद में खड़े होकर किसानों की सुरक्षा की बात करते हैं तो मुझे हंसी आती है। कांग्रेस का देश को गुमराह करने का एक लंबा इतिहास रहा है और अब वे व्यापार समझौतों को लेकर झूठ फैला रहे हैं। शाह भारत की पहली केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरुआत करने के बाद गांधीनगर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा, मैं देश के किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक समझौते ने उनके हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को गुजरात के गांधीनगर में डिजिटल भारत, डिजिटल गुजरात कार्यक्रम के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी की मौजूदगी में लाभार्थी को चेक देते हुए।

राहुल को सार्वजनिक बहस की चुनौती

शाह ने राहुल गांधी को इस मुद्दे पर सार्वजनिक मंच से बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, राहुल गांधी जी, कोई भी मंच चुन लीजिए। यहां तक कि भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी आकर आपसे इस बात पर बहस कर सकते हैं कि किसने किसानों को नुकसान पहुंचाया है और किसने उनके कल्याण के लिए काम किया है। व्यापार समझौतों का बचाव करते हुए शाह ने कहा, इन समझौतों के माध्यम से हमने कृषि उत्पाद और मत्स्य उत्पाद निर्यात के लिए बहुत बड़े बाजार खोले हैं। किसानों के हितों की रक्षा की गई है।

डेयरी क्षेत्र का किया विस्तार

कांग्रेस की इस आलोचना का उल्लेख करते हुए कि ये समझौते भारत के डेयरी क्षेत्र को नष्ट कर देंगे, शाह ने कहा कि राहुल गांधी झूठ फैला रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन समझौतों पर हस्ताक्षर करके भारत के डेयरी क्षेत्र को खत्म कर दिया है। शाह ने कहा कि हमने डेयरी क्षेत्र का विस्तार किया है, इसे कमजोर नहीं किया। सभी समझौतों में डेयरी क्षेत्र को पूर्ण संरक्षण दिया गया है।

गिनाईं पीएम मोदी की उपलब्धियां

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने 'गरीबी हटाओ' की बात तो की, लेकिन गरीबी उन्मूलन के लिए ठोस कदम उठाने में विफल रही, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने आवास, गैस कनेक्शन, शौचालय, पीने का पानी, मुफ्त अनाज और पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। आज 81 करोड़ लोगों को पारदर्शी तरीके से मुफ्त अनाज मिल रहा है।

एमएसपी पर 15 गुना अधिक अनाज खरीदा

मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के 10 वर्षों और मोदी सरकार के एक दशक की तुलना करते हुए शाह ने कहा कि हमने किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 15 गुना अधिक अनाज खरीदा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान किसानों के लिए बजट आवंटन लगभग 26,000 करोड़ रुपए था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में इसे बढ़ाकर करीब 1.29 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है।

पूरे देश में होगी लागू

केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि गुजरात के बाद, सरकार चंडीगढ़, पुडुचेरी और दादरा और नगर हवेली में सीबीडीसी आधारित पीडीएस को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और फिर धीरे-धीरे इसे पूरे देश में लागू करेगी।

जम्मू कश्मीर 'म्यूल खाता' नेटवर्क का भंडाफोड़

8,000 बैंक खातों से लेन-देन रोका

■ धन का राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में उपयोग किए जाने की आशंका

एजेंसी | नई दिल्ली/श्रीनगर

सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में 'म्यूल खातों' के व्यापक बहुस्तरीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों को आशंका है कि इन खातों के माध्यम से भेजे गए धन का उपयोग अलगाववादी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि तीन वर्षों की अवधि में इस क्षेत्र में संचालित 8,000 से अधिक 'म्यूल खातों' की पहचान की गई है और इनसे लेन-देन रोक दिया गया है, जिससे धन शोधन के एक जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है। उन्होंने इन खातों को भले ही अपराध श्रृंखला में सबसे कमजोर, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया, क्योंकि इन खातों के बिना डिजिटल फ्रॉड या किसी भी क्रिप्टोकरेंसी में बदलना और इसका पता लगाना असंभव होगा।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों को बैंकों के साथ समन्वय करने के लिए कहा है, ताकि 'म्यूल खातों' की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाया जा सके और ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी को सुविधाजनक बनाने वाले बिचौलियों की पहचान की जा सके।

बिचौलियों की धनशोधन में होती है अहम भूमिका

केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों का मानना है कि 'म्यूल खाते' उपलब्ध कराने वाले बिचौलिये भले ही मुख्य रूप से अपराध की योजना नहीं बनाते, लेकिन धनशोधन नेटवर्क में अहम भूमिका निभाते हैं, जिससे धोखाधड़ी से प्राप्त धन को तेजी से कई खातों में स्थानांतरित किया जाता और पकड़े जाने से बचने के लिए इसे छोटे-छोटे लेन-देन में विभाजित करना शामिल है।

क्या होता है 'म्यूल खाता'

'म्यूल खाता' ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिनका उपयोग अपराधी अवैध रूप से प्राप्त धन (जैसे साइबर धोखाधड़ी, ऑनलाइन धोखाधड़ी) को छिपाने और स्थानांतरित करने के लिए करते हैं। ये खाते धन शोधन, वित्तीय और अपराधों के लिए धन प्राप्त करने में इस्तेमाल होते हैं।

आरएसएस के सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में जाति से ऊपर उठकर काम करने पर जोर

भारत सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र

एजेंसी | गोरखपुर (उप्र)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत को सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र बताते हुए रविवार को जोर देकर कहा कि देश की पारम्परिक विचारधारा लेन-देन वाले संबंधों के बजाय एकता और आपसी जुड़ाव की भावना पर आधारित है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की ताकत व्यापक जुड़ाव में होती है, न कि स्वार्थ में। उन्होंने कहा कि कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है, जबकि देश में पारम्परिक रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित हैं। आरएसएस के मीडिया प्रकोष्ठ ने यह जानकारी दी। भारत की विशिष्टता पर प्रकाश डालते हुए भागवत ने कहा कि हम प्रकृति को अपनी माता मानते हैं। कई विश्व नेता इस तथ्य से विस्मय करते हैं। यहां केवल हमें उनको भिन्न-भिन्न पहचानों के बावजूद एकजुट रखता है। उन्होंने कहा कि समाज को कायम रखने के लिए केवल कानून लागू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव की आवश्यकता है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि यह उपलब्धि जश्न मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का विषय है।

खंड विकास स्तर की बैठकें आयोजित करने का आह्वान

भागवत ने सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए साल में दो से तीन बार खंड विकास स्तर की बैठकें आयोजित करने का आह्वान किया और समुदायों के आर्थिक सर्वेक्षकों से पूरे व्यापक हिंदू समाज के लिए काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समाज को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यह अस्थायी कोष्ठ, लेकिन जिम्मेदारी समाज की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा स्वार्थहीन भाव से संकट के समय अन्य देशों की सहायता की है। बैठक के दौरान विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए। बाद में भागवत ने उनके साथ सामूहिक भोज में भाग लिया।

कांग्रेस नेता का केंद्र पर हमला तेज

राहुल ने व्यापार समझौतों पर फिर उठाए सवाल

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर हमला तेज करते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नए सवाल किए और किसानों के साथ विश्वासघात होने का आरोप लगाया। राहुल ने सरकार पर इस समझौते के जरिए आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह मुद्दा देश के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत किसी दूसरे देश को अपने कृषि क्षेत्र पर दीर्घकालिक नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति दे रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, अमेरिका से व्यापार समझौते के नाम पर क्या भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होने जा रहा है? उन्होंने पोस्ट में सवाल किया कि डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (डीडीजी) के आयात का क्या मतलब है? राहुल ने कहा, क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को जीएम (आनुवंशिक रूप से संशोधित) अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाए जाएंगे?